पेड़ बचाओ

पेड़ बचाओ

बढ़ रहा है प्रदूषण
मच रहा हा-हाकार
क्यों काटते वृक्षों को
कर लो वृक्षों से प्यार,

आरा चलाते वृक्षों पर
आएगी विपत्तियां घोर
पैरों पर मार कुल्हाड़ी
नहीं मिलेगा कहीं ठौर,

जाग जा इंसान बावले
क्यों आत्मघात करता
पेड़ काटना पाप है
तू क्यों नहीं डरता,

सोने के टुकड़ों के लिए
क्यों बन गया तू पगला
कैसे जीवन बच पाएगा
बनेगा इक दिन कंगला,
कितने पेड़ धरा पर थे
आज कितने घट गए हैं
आने वाले समय में तो
कितने और कट जाएंगे,

प्राण रक्षक आक्सीजन
कहां से ये मिल पाएगी
तड़प-तड़प कर रोएगा तू
प्राण फिर निकल जाएंगे,

सोच बावले तू अभी ही
बचा ले धरा के उपहार
बनाले धरा को हरा भरा
कर लो वृक्षों से ही प्यार।

पुकारे

नदी पुकारे तालाब पुकारे
यूं ना तुम यूं जल बहा रे
कोई हमारा जल बचा ले
जल बचा जन को हंसा रे,
वृक्ष पुकारे व पर्वत पुकारे
काटो नहीं हमें नहीं सता रे
हमें बचा आक्सीजन पा ले
जीवन जन का खूब बढ़ा ले,
धरा पुकारे और जीव पुकारे
काट नहीं हमको वक्त पुकारे
हमें बांटकर जीवन काट ले
जन जीवन धरा पर बचा रे,
पर्यावरण पुकारे हमें बचा रे
यूं नहीं तुम प्रदूषण फैला रे
इतने नहीं कारखाने लगा रे
पर्यावरण बचा जन बचा रे,
हवा पुकारे व ध्वनि पुकारे
गंदा न कर मत शोर मचा रे
पेड़ लगा रे मत इन्हें हटा रे
जग में जीवों के प्राण बचा रे,
देश पुकारे और प्रदेश पुकारे
जन पुकारे और जीव पुकारे
जन जीवन दुःखी उसे हंसा रे
प्राण संकट में हैं उन्हें बचा रे,
उठा कदम और साकार उठा रे
समस्त पर्यावरण आज बचा रे
सोच विचार जन संहार रोक ले
तभी जन-जन के प्राण बचा रे।।

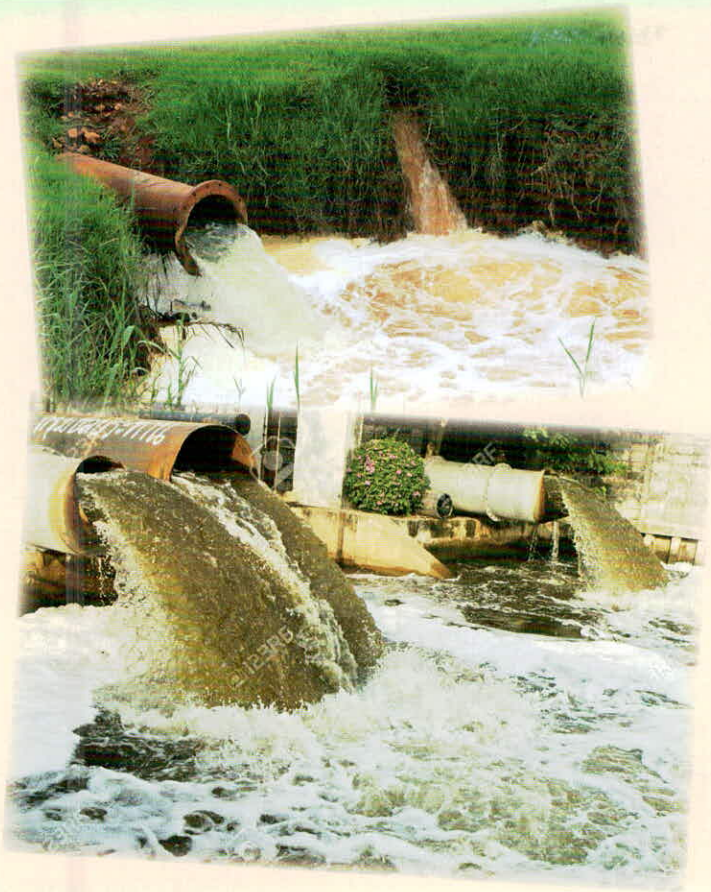

जल

सुन जल-जल-जल
इसमें बहा रहे मल
गंदगी हटाने का यह
नहीं हो सकता हल,
सुन कल-कल-कल
पुकार रहा सुन नल
आज बचाएगा जल
सुंदर बने तेरा कल,
करे शोर-शोर-शोर
शोर बढ़ाए पापी घोर
दुखी कौवा और मोर
शोर मचाते भूखे चोर,
कहे हवा-हवा-हवा
प्रदूषण की नहीं दवा
उद्योग उसके हैं गवाह
जहर बन गया है जवां,
सुन रे राज-राज-राज
प्रदूषण कम करके ही
बच जाए जन जिंदगी,
फिर पहनेगा जन ताज,
एक मजा-मजा-मजा
गंदगी करो मिले सजा
जग से मोह नहीं तजा
बचा ले जीवन हो रजा,
अरे सोच-सोच-सोच
जीवों का मत कर घोच
मत कर जीवन हौच-पौच
बदल रे नर अपनी सोच।।

संपर्क करें:
'होशियार सिंह
मोहल्ला-मोदीका, वार्ड नंबर-01
कस्बा-कनीना-123027
जिला-महेंद्रगढ़ (हरियाणा)
फोन-094163-48400